

भजन सपोरी ने संतूर वादन से बच्चों का मन मोहा



से. 54 के सनसिटी वर्ल्ड स्कूल में भारतीय संस्कृति के प्रति किया जागरूक

■ एनबीटी न्यूज, गुडगांव : सेक्टर 54 स्थित सनसिटी वर्ल्ड स्कूल में छात्रों के बीच भारतीय संस्कृति के प्रति जागरूकता पैदा करने के उद्देश्य से एक स्पिकमैके कार्यक्रम का आयोजन किया। इस अवसर पर पद्मश्री और प्रसिद्ध संतूर वादक पंडित भजन सपोरी ने एक शानदार प्रस्तुति दी। पंडित भजन सपोरी ने छात्रों और दर्शकों

के तालियों की गड़गड़राहट के बीच एक जीवंत प्रस्तुति दी।

प्रस्तुति देने के बाद उन्होंने कहा कि संगीत मेरा जुनून रहा है और सनसिटी स्कूल के छात्रों के सामने प्रस्तुति देने में मुझे काफी खुशी महसूस हुई है। उन्होंने कहा कि कला ही एक ऐसा विषय है जो जीवन को शीतलता प्रदान करती है।

Publication	Hindustan (Live)
Language/Frequency	Hindi/Daily
Page No	02
Date	14 th May 2017

हिन्दुस्तान

पंडित सोपोरी ने दी स्विक्रम मैके में प्रस्तुति

गुरुग्राम। सेक्टर-54 स्थित निजी स्कूल में स्विक्रम मैके कार्यक्रम का आयोजन किया गया। ताकि छात्रों में भारतीय संस्कृति के प्रति जागरूकता पैदा की जा सके। स्विक्रम मैके कार्यक्रम में प्रसिद्ध संगीतकार पंडित भजन सोपोरी ने प्रस्तुति दी।

संगीत के जरिए भारतीय संस्कृति का पाठ

जागरण संवाददाता, नया गुरुग्राम : सेक्टर 54 स्थित सनसिटी वर्ल्ड स्कूल ने विद्यार्थियों के बीच भारतीय संस्कृति के प्रति जागरूकता पैदा करने के उद्देश्य से सिकमैके कार्यक्रम का आयोजन किया। इस अवसर पर प्रसिद्ध और अनुभवी संगीतकार पंडित भजन सोपोरी ने शानदार प्रस्तुति दी। प्रस्तुति देने के बाद उन्होंने कहा कि संगीत उनका जुनून रहा है और विद्यार्थियों के सामने प्रस्तुति देकर उन्हें खुशी होती है।

पंडित भजन सोपोरी भारतीय शास्त्रीय संगीत की सूफियाना परंपरा से ताल्लुक रखते हैं। उन्होंने अपना पहला सार्वजनिक प्रदर्शन 10 साल की उम्र में दिया था, जिसका आयोजन प्रयाग संगीत समिति और इलाहाबाद विश्वविद्यालय द्वारा किया गया था। पंडित भजन सोपोरी ने कई पुरस्कार

जीते हैं। सोपोरी को 1999 में संगीत नाटक अकादमी पुरस्कार और 2004 में पद्मश्री पुरस्कार से सम्मानित किया जा चुका है। भारतीय शास्त्रीय संगीत में उनके योगदान के लिए उन्हें बाबा अल्लाउद्दीन खान पुरस्कार और एमएन माधुर पुरस्कार से भी सम्मानित किया गया है। उन्हें जम्मू-कश्मीर राज्य के लाइफटाइम अवार्ड से भी सम्मानित किया गया है। स्कूल की प्रिंसिपल रूपा चक्रवर्ती ने कहा कि शिक्षा और अतिरिक्त पाठ्यक्रम गतिविधियों के बीच एक संतुलन को बनाए रखने के लिए इस तरह के आयोजनों को शिक्षा का अंग बनाया जाना चाहिए। भारतीय शास्त्रीय संगीत हमारे समाज की नींव है और यह हमारे भारतीय संस्कृति को बचा करती है। ऐसे में विद्यार्थियों के इन सांस्कृतिक जड़ों से जोड़ने का प्रयास करना चाहिए।



सनसिटी वर्ल्ड स्कूल में आयोजित कार्यक्रम में प्रस्तुति देते हुए पंडित भजन सोपोरी • जागरण

ह्यूमन इंडिया

पद्मश्री पंडित भजन सोपोरी ने सनसिटी वर्ल्ड स्कूल में दी सांस्कृतिक प्रस्तुति



ह्यूमन इंडिया/ब्यूरो गुरुग्राम। सेक्टर 54 स्थित सनसिटी वर्ल्ड स्कूल ने विद्यार्थियों के बीच भारतीय संस्कृति के प्रति जागरूकता पैदा करने के उद्देश्य से एक सप्टिकमैके कार्यक्रम का आयोजन किया। इस अवसर पर प्रसिद्ध और अनुभवी संगीतकार पंडित भजन सोपोरी ने एक शानदार प्रस्तुति दी। पंडित भजन सोपोरी ने छात्रों और दर्शकों के तालियों को गड़गड़राहट के बीच एक जीवंत प्रस्तुति दी। प्रस्तुति देने के बाद उन्होंने कहा कि, संगीत मेरा जुनून रहा है और सनसिटी स्कूल के छात्रों के सामने प्रस्तुति देने में मुझे काफी खुशी महसूस हुई है। पंडित भजन सोपोरी भारतीय

● सेक्टर 54 स्थित सनसिटी वर्ल्ड स्कूल ने विद्यार्थियों के बीच भारतीय संस्कृति के प्रति जागरूकता पैदा करने के उद्देश्य से एक सप्टिकमैके कार्यक्रम का आयोजन किया। इस अवसर पर प्रसिद्ध और अनुभवी संगीतकार पंडित भजन सोपोरी ने एक शानदार प्रस्तुति दी। पंडित भजन सोपोरी ने छात्रों और दर्शकों के तालियों को गड़गड़राहट के बीच एक जीवंत प्रस्तुति दी।

शास्त्रीय संगीत के सुफयाना घराने से ताल्लुक रखते हैं। उन्होंने अपना पहला सार्वजनिक प्रदर्शन 10 साल की उम्र में दिया था, जिसका आयोजन प्रयाग संगीत समिति और इलाहाबाद विश्वविद्यालय द्वारा किया गया था प्रतिभाशाली संतूर

वादक के पद चिन्हों पर चलते हुए, पंडित भजन सोपोरी ने कई पुरस्कार जीते हैं। सोपोरी को 1999 में संगीत नाटक अकादमी पुरस्कार और 2004 में पद्म श्री पुरस्कार से सम्मानित किया जा चुका है। भारतीय शास्त्रीय संगीत में उनके योगदान के लिए उन्हें

बाबा अल्लाउद्दीन खान पुरस्कार और एम एन माथुर पुरस्कार से भी सम्मानित किया गया है उन्हें जम्मू-कश्मीर राज्य के लाइफटाइम अवार्ड से भी सम्मानित किया गया है। सनसिटी वर्ल्ड स्कूल की प्रिंसीपल रूपा चक्रवर्ती ने बताया कि, सनसिटी स्कूल में, हम शिक्षा और अतिरिक्त पाठ्यक्रम गतिविधियों के बीच एक संतुलन को बनाए रखने का प्रयास करते हैं। भारतीय शास्त्रीय संगीत हमारे समाज की नींव है और यह हमारे भारतीय संस्कृति को बर्बाद करती है। हम छात्रों के बीच भारतीय संस्कृति के प्रति जागरूकता प्रदान करना चाहते हैं, इसलिए आगे भी इस तरह के कार्यक्रम को आयोजित करने का हमारा प्रयास जारी रहेगा।

<http://www.thehansindia.com/posts/index/Spiritual/2017-05-15/Bhajan-Soporis--melodious-ragas-enthrall-Suncity-students/300207>

Bhajan Sopori's melodious ragas enthrall Suncity students



Bhajan Sopori's melodious ragas enthrall Suncity students

Gurgaon: A Gurgaon-based school organized a SPICMACAY programme with an aim to instill appreciation about Indian culture among students. On the occasion, a veteran instrumentalist, Pandit Bhajan Sopori gave a scintillating performance in Suncity School.

The audience sat glued to their seats as the entire auditorium came alive with enchanting ragas played by Pandit Sopori.

"Music has been my passion. It is a pleasure to perform before students of Suncity School," he said.

Continued to next page>>

Hailing from Sopore in Kashmir, Pandit Bhajan Sopori belongs to Sufiana gharana of Indian classical music. His first public performance was at a conference organised by Prayag Sangeet Samiti and the University of Allahabad when he was 10 years old. Tracing his lineage to generation of talented santoor players, Pandit Bhajan Sopori has several accolades to his credit. Sopori was awarded the Sangeet Natak Akademi Award in 1999 and the Padma Shri in 2004. He has also been honoured with the Baba Allaudin Khan Award and M N Mathur award for his contribution to Indian classical music. He has also been conferred with Jammu and Kashmir State lifetime achievement award.

“At Suncity School, we strive to strike a balance between academics and extra-curricular activities. Indian classical music has been a foundation of our society and such an enchanting performance speaks volumes about our Indian culture. We will continue in our endeavour to organize such events to instill appreciation about Indian culture among students,” said Ms Rupa Chakravarty, Principal, Suncity School.

<http://www.cityairnews.com/content/bhajan-sopori%E2%80%99s-melodious-ragas-enthrall-suncity-students>

Bhajan Sopori's melodious ragas enthrall Suncity students



Pt Bhajan Sopori performing at Suncity School.

Gurgaon: A Gurgaon-based school organized a SPICMACAY programme with an aim to instill appreciation about Indian culture among students. On the occasion, a veteran instrumentalist, Pandit Bhajan Sopori gave a scintillating performance in Suncity School.

The audience sat glued to their seats as the entire auditorium came alive with enchanting ragas played by Pandit Sopori.

"Music has been my passion. It is a pleasure to perform before students of Suncity School," he said.

Hailing from Sopore in Kashmir, Pandit Bhajan Sopori belongs to Sufiana gharana of Indian classical music. His first public performance was at a conference organised by Prayag Sangeet Samiti and the University of Allahabad when he was 10 years old. Tracing his lineage to generation of talented santoor players, Pandit Bhajan Sopori has several accolades to his credit. Sopori was awarded the Sangeet Natak Akademi Award in 1999 and the Padma Shri in 2004. He has also been honoured with the Baba Allaudin Khan Award and M N Mathur award for his contribution to Indian classical music. He has also been conferred with Jammu and Kashmir State lifetime achievement award.

“At Suncity School, we strive to strike a balance between academics and extra-curricular activities. Indian classical music has been a foundation of our society and such an enchanting performance speaks volumes about our Indian culture. We will continue in our endeavour to organize such events to instill appreciation about Indian culture among students,” said Ms Rupa Chakravarty, Principal, Suncity School.

<http://www.tatkalnews.com/news/130200-Bhajan-Sopori%E2%80%99s-melodious-ragas-enthrall-Suncity-students.aspx>

Bhajan Sopori's melodious ragas enthrall Suncity students



Gurgaon: A Gurgaon-based school organized a SPICMACAY programme with an aim to instill appreciation about Indian culture among students. On the occasion, a veteran instrumentalist, Pandit Bhajan Sopori gave a scintillating performance in Suncity School. The audience sat glued to their seats as the entire auditorium came alive with enchanting ragas

played by Pandit Sopori. "Music has been my passion. It is a pleasure to perform before students of Suncity School," he said. Hailing from Sopore in Kashmir, Pandit Bhajan Sopori belongs to Sufiana gharana of Indian classical music. His first public performance was at a conference organised by Prayag Sangeet Samiti and the University of Allahabad when he was 10 years old. Tracing his lineage to generation of talented santoor players, Pandit Bhajan Sopori has several accolades to his credit. Sopori was awarded the Sangeet Natak Akademi Award in 1999 and the Padma Shri in 2004. He has also been honoured with the Baba Allaudin Khan Award and M N Mathur award for his contribution to Indian classical music. He has also been conferred with Jammu and Kashmir State lifetime achievement award. "At Suncity School, we strive to strike a balance between academics and extra-curricular activities. Indian classical music has been a foundation of our society and such an enchanting performance speaks volumes about our Indian culture. We will continue in our endeavour to organize such events to instill appreciation about Indian culture among students," said Ms Rupa Chakravarty, Principal, Suncity School.